CIVIC ACTION TEAMS

Coronavirus CivActs Campaign presents

FAIR FACTS

अंक
१०८
१८।०२।२०७८

भुखाएल कुत्तासभके खाना खुवाके अभियानमे बनेपाके नौजवानसभ ।

तस्विर: केशवराज पौडेल

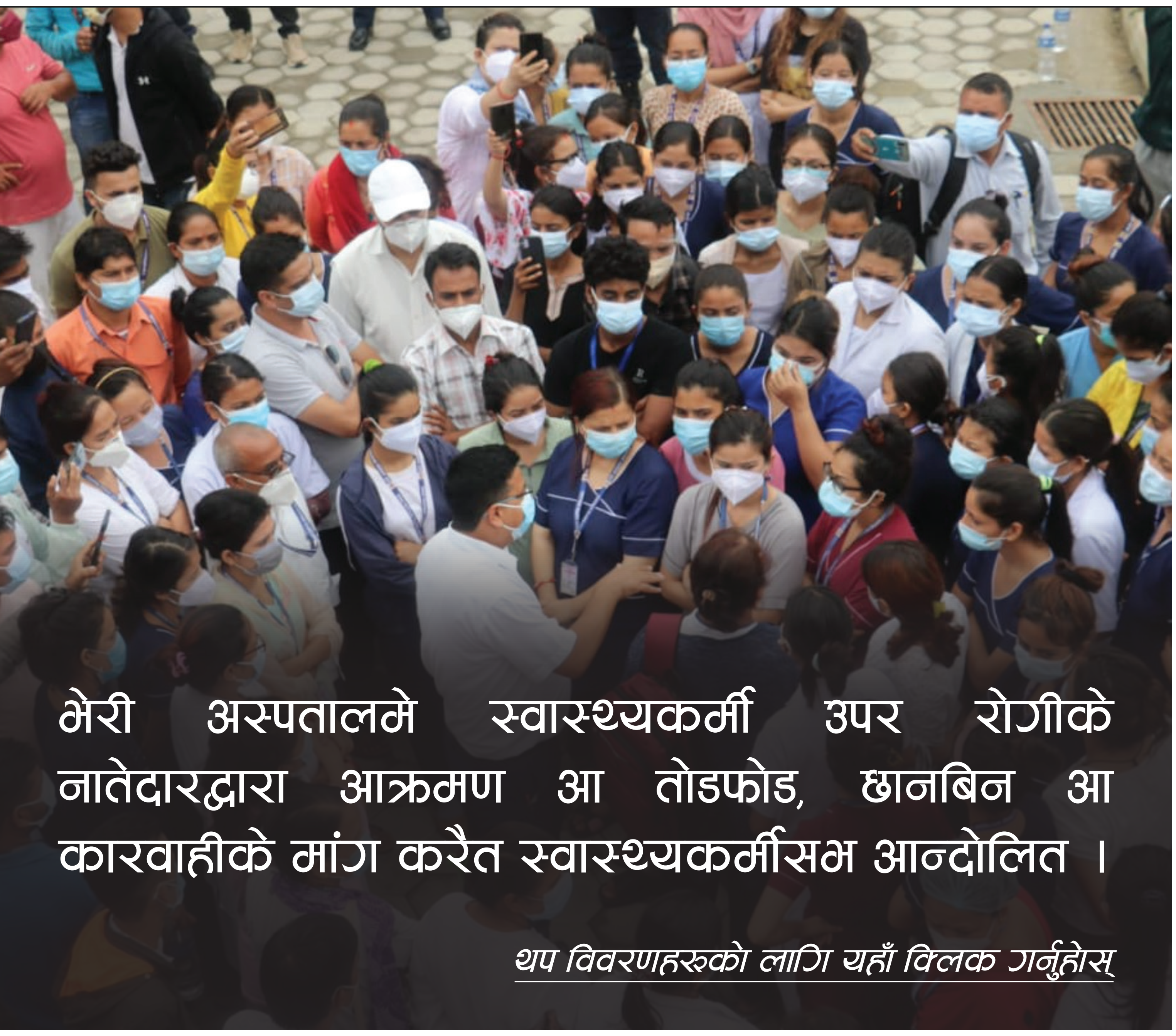

भेरी अस्पतालमे स्वास्थ्यकर्मी उपर रोगीके नातेदारद्वारा आक्रमण आ तोडफोड, छानबिन आ कारवाहीके मांग करैत स्वास्थ्यकर्मीसभ आन्दोलित ।

थप विवरणहरुको लागि यहाँ क्लिक गर्नुहोस्

अई अंक भित्तर

कोभिड – १९ रोकथाममे भेल खर्च मन्त्रालय द्वारा सार्वजनिक

जम्मा खर्च रु. करिब ९ अर्ब ७२ करोड ३० लाख ८३ हजार ।

११ सप्ताह बितलाके बादो दोसर खोप लगाबके लेल सरकारके कोनो तैयारी नै छै।

१२ सप्ताहके बाद लगेला सँ ओकर प्रभावकारीता घैटतो प्रभावहिन मुदा नै हेतै ।

खिस्सा किनाराके – कोभिड प्रभावितके सारथी अनिल

ढकालद्वारा स्वयंसेवक समुह वनाक कोभिड विरुद्धके प्रतिकार्यमे लाग पड्त कहलाके बाद कर्णाली प्रदेश मन्त्रिपरिषद्के वैठकसँ कोभिड प्रतिकार्यके लेल स्वयंसेवक गठन करके निर्णय केलक ।

फ्याक्ट सिट

मन्त्रालय सार्वजनिक केलक कोभिड - १९ रोकथाममे अखनतक भेल खर्चके विवरण

पिसिआर किट, एक्सट्र्याक्सन किट, भिटिएम, एन्टिजेन किट, मास्क, गाउन, सर्जिकल पञ्जासभ, अक्सिजन प्रणाली सुदृढिकरण, आईसियु, एचडियु तथा आरो दवाई उपकरणके व्यवस्थापन, स्वास्थ्यकर्मीके जोखिम भत्ता, नि:शुल्क परिक्षण तथा ईलाज, खोप किन तथा अभियान सञ्चालनके लेल स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालत मार्फत जम्मा

रु. ५ अर्ब १७ करोड ७२ लाख ८३ हजार

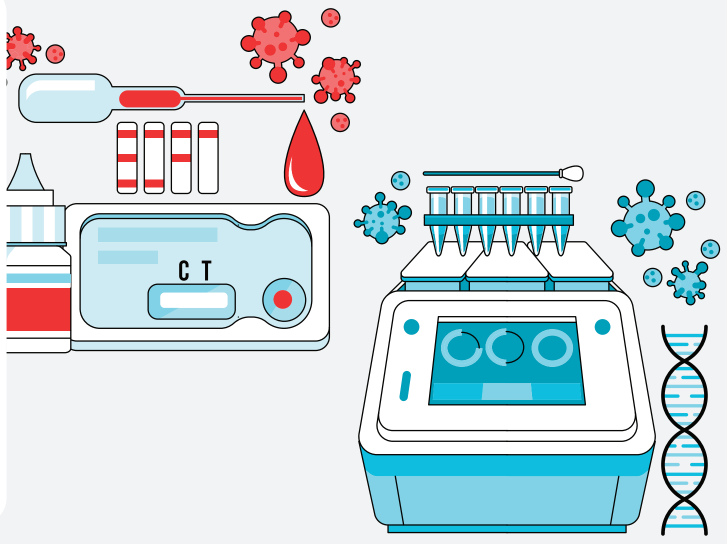

खोप कार्यक्रम आ एचडियुके लेल भुक्तानी होब बाँकी

रु. २ अर्ब ५४ करोड ५८ लाख

बहुतोरास राष्ट्र आ संघसंस्थासँ उपकरण तथा स्वास्थ्यके सामानसभ मार्फत प्राप्त सहयोग

करिव २ अर्ब

(स्वीटजरल्याण्ड ९७ करोड, अमेरीका ४३ करोड, सिंगापुर स्थित सामाजिक संस्थासँ २३ करोड, स्पेन १२ करोड, चीन सरकार ७ करोड, बंगलादेश ४ करोड, राष्ट्रिय तथा अन्तरराष्ट्रिय संघसंस्थासँ १३ करोड)

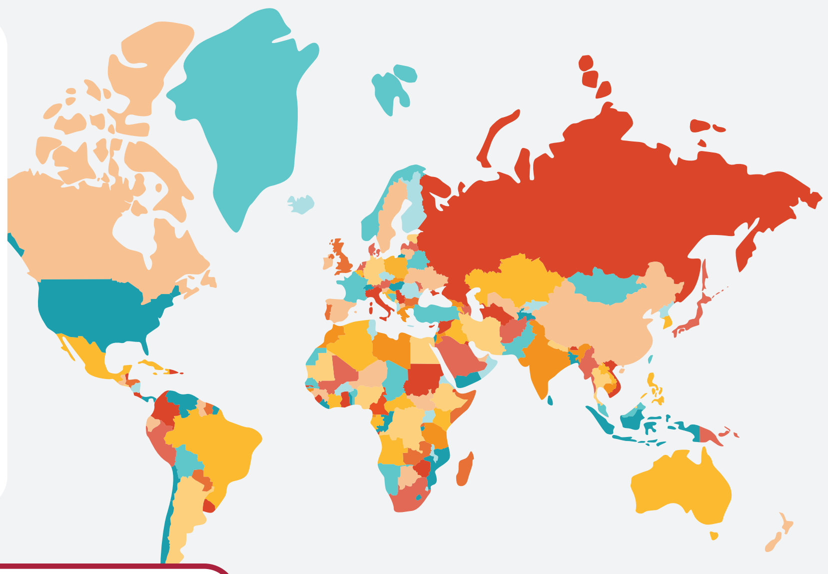

जम्मा खर्च

रु. करिब ९ अर्ब ७२ करोड ३० लाख ८३ हजार

कोभिड - १९ व्यवस्थापनके लेल रु. ५ अर्ब २२ करोडके उपहरण सहयोग प्राप्त करके प्रकृयामे

जर्मन सरकारको KFW	एसियाली विकास बैंक	विश्व बैंक	जापान सरकार
रु. १ अर्ब ४२ करोड	रु. ३६ करोड	रु. २४ करोड	रु. ३ अर्ब २० करोड

कोभिड - १९ के द्रुत कार्ययोजनाके आधारमे खोप लगाएत नैदानिक ईलाज आ व्यवस्थापनके लेल १४ अरब श्रोत सुनिश्चित भेल छै ।

नोट: प्रस्तुत विवरण २०७८ जेष्ठ १० गते तक के छै ।

सरकारद्वारा भेल खर्च प्रति आम नागरिकके जिज्ञासा भेनाई स्वाभाविके छै । अखनके जेहन महामारीमे सरकार आरो पारदर्शी भेनाई महत्वपूर्ण होईछै । अई सँ सरकारके नागरिक प्रति जवाफदेही बनावके संगे नागरिकके सरकार प्रति विश्वास मजबुत हेतै । अबेरे सहि सरकार खर्चके विवरण सार्वजनिक केने छै । स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रीद्वारा समय समयमे मन्त्रालय सँ खर्च सम्बन्धी श्वेतपत्र जारी करके प्रतिवद्धता केनाई के सकारात्मक रुपमे लेल जासकैय, लेकिन एकर कार्यान्वयन पक्ष देखनाई बाँकीए छै ।

Source: https://cutt.ly/hnsOoS0

हल्ला आ तथ्य

पहिल मात्रा खोप लगेने आदमीके ९ सँ १२ सप्ताह भित्तर दोसर मात्रा खोप लेब पड़त कहलगेल छलै । ११ सप्ताह बितलाके बादो दोसर मात्रा खोप लगाबके सरकार के कोनो तैयारी नै छै । समयमे खोप नै लगेला सँ एकर कोनो प्रभाव नै पड़तै ?

विश्व स्वास्थ्य संगठन सेहो कोभिशिल्ड खोपके पहिल मात्रा लगेने आदमीके ९ सँ १२ सप्ताह भित्तरमे दोसर मात्रा खोप लगाब कहने छै । २०७७ फागुन २३ गते के बाद खोप लगेने करिब साढे १३ लाख आदमीके दोसर मात्रा खोप लगाबके समय एलाके बादो तत्काल खोप लगाबके सम्भावना कम छै । १२ सप्ताहके बाद लगेला सँ ओकर प्रभाव घटलाके बादो प्रभावकरीता कम होईतो प्रभावहिन मुदा नै हेतै । अईके लेल सरकार विकल्पसभ खोजिरहल जनौलक अछि ।

Source: https://cutt.ly/gnsPo4l

आदमीसभ प्राय: कोभिड - १९ के लक्षण देखेलाके बाद या संक्रमण पुष्टि भेलाके बाद मात्रे सचेत होई छै । ओई सँ पहिले दोसरकोईके संक्रमित करके सम्भावना कम होईछै ?

विश्व स्वास्थ्य संगठनके अनुसार, कोनो भी संक्रमित आदमीमे कोभिड - १९ के लक्षणके विकास होब सँ दू दिन पहिलेहि सब सँ बेसी संक्रमित करके सम्भावना होईछै । ओई संगे लक्षण नै देखाएल संक्रमित सेहो संक्रमण फैलाब सकके सम्भावना रहैत छै । तहु सँ सेहो सम्भावित संक्रमित के परिक्षण प्रतिवेदन नकारात्मक नै आब तक अलगे रह पड़ै छै ।

Source: https://cutt.ly/4ndvcl7

नेपालमे दोसर लहरके कोरोनाके दर कम होईत जारहल छै, फेर निषेधाज्ञा किया कड़ा बनेने छै ?

अखनो नेपालमे परिक्षण कएल मे सँ संक्रमण पुष्टि होबके दर बहुते बेसी छै । अखनके ई दर, प्रति १०० कोईमे परिक्षण केलापर करिब ३८ कोईमे संक्रमण पुष्टि भरहल छै । एकर मतलब समुदायमे संक्रमण भेल लेकिन, परिक्षण नै केने बहुते आदमी छै से बुझाईत छै । आँकडासँ संक्रमण देखाएके संख्या कम देखाईबतो, हमसभ सामान्य अवस्था दिस जारहल छी कहिक भ्रममे परके नै चाही । प्रति १०० कोईमे ५ कोई सँ कममे देखेनाईके बढिया मानल जाईत छै ।

Source: https://cutt.ly/gnsPo4l

कोभिड - १९ आ जनानी विरुद्ध होबवला हिंसा
लकडाउनके अवधीमे यौन हिंसाके घटना बढलै

वास्तवमे कोन बात सँ अपनासभके मृत्युके मुहमे पहुचारहल अछि ? विषाणु ? या दण्डहीनता, भ्रष्टाचार, अप्रभावकारी व्यवस्था आ ईमान्दार नेतृत्वके कमी सँ ?

२०२० फेब्रुअरी सँ २०२१ मार्च तक घटल जनानी विरुद्धके हिंसासभ

जनवरी २०२०

१७६
घटना दर्ता

अप्रिल २०२०

फेरो सेहो किछ जिलामे लकडाउन
२०७७ साउन महिनाके मध्य सँ
२०७७ आश्विन १ गते तक

२९५
घटना दर्ता

जुलाई २०२०

फेरी पनि केही जिल्लामा लकडाउन
२०७७ श्रावण महिनाको मध्य देखी **२०७७ असोज १ गते** सम्म

३९९
घटना दर्ता

अक्टुबर २०२०

३४८
घटना दर्ता

जनवरी २०२१

३२४
घटना दर्ता

अप्रिल २०२१

१७२
घटना दर्ता

प्राय सब जिलामे कोनो नै कोनो प्रकारके निषेधाज्ञा
२०७८ बैशाख १३ गते सँ अखन तक

७९% **जम्मा दर्ता भेल घटना मे सँ महिला हिंसा**

स्पष्टिकरण: महिलामाथि हुने हिंसाका घटना सम्बन्धी यो तथ्यांक अनलाईन मिडिया, राष्ट्रिय दैनिकहरू, जिल्ला स्तरमा प्रकाशित हुने पत्रपत्रिकाहरू र नेपाल प्रहरीको वेवसाईटबाट संकलन गरी एकिकृत गरिएको हो । त्यसैले, यसले वास्तविक तथ्यांक भन्दा पनि महिलामाथि हुने हिंसाका घटनाहरूको प्रवृत्तिलाई उजागर गर्दछ ।

बाहर कहल जेहन आँकडा सँ लकडाउनके अवधीमे जनानी विरुद्ध हिंसाके घटनासभ बढल नै देखाबैत छै । उपरके समयरेखा सँ लकडाउनके अवधीमे जनानी विरुद्ध हिंसाके घटना बढल देखाईबतो, ई दर सामान्य अवस्था सँ सेहो उच्च छै । नेपाल प्रहरीके तथ्याँकसँ सेहो २०२० आ २०२१ मे जनानी विरुद्ध हिंसाके घटनाके संख्या ओहने रहल देखाबैत छै । जे होई, जनानी विरुद्ध हिंसाके घटनासभ बहुतेके संख्यामे बाहर आबिरहल छै । एकरा न्यूनिकरण कर सरकारके अपन योजनाके प्राथमिकतामे रखनाई जरुरी छै ।
ओई अवधीमे दर्ता भेल जम्मा घटनामे सँ ७९% यौन हिंसाके घटना दर्ता भेनाई सँ सोचके लेल बाध्य बनाबैत अछि । एकर मतलब, लकडाउनसँ सेहो नेपालमे होबवला यौनजन्य हिंसाके कम कर नै सकल । एहन अवस्थामे सरकार अपन नागरिकके सुरक्षा केना करत ?

Source: https://nepalmonitor.org/

श्रमिक संगी

Shramik Sanjal

कतार, कुवेत, मलेसिया आ यूएईमे नयाँ नियमसभ

कतारः

१ जुन, २०२१ सँ नेपाल आ कतार बीच उडान शुरु होब लागल छै । दुनु खोराक खोप लगेने आ निगेटिभ रिपोर्ट आएल आदमी १० दिन होम क्वारेन्टाईनमे रहके शर्त सहित घर जाय सकैय, त एक खोप लगेने आ निगेटिभ रिपोर्ट भेलसभ होटलमे रह परत आ ३ दिन बाद रिपोर्ट निगेटिभ एलापर घर जा सकैछी । कोनो भी खोप नै लगेनेसभ १० दिन अपने खर्चमे होटल क्वारेन्टाईनमे रह पड्त । नेपाल सँ कतार जायवलाके लेकिन निगेटिभ रिपोर्ट होईतो होटल क्वारेन्टाईनमे रह पड्त ।

कुवेतः

कोभिड खोपके लेल दैनिक ४ सँ ५ हजार कोईके खोप देल जासकैय कुवेतेके पहिल ड्राइभ-थ्रु खोप केन्द्र ३० मई, २०२१ सँ संचालनमे आएल छै । जाबेर ब्रिजमे राखलगेल ड्राईभ-थ्रु कोभिड खोप केन्द्रमे २० टा बुथ सँ सेवा देल जेतै ।

मलेसियाः

जुन १ सँ मलेसियामे अत्यावश्यक बाहेकके सब सेवा बन्द रहतै । अत्यावश्यक कामके लेल कामदारसभके फेर पास लेब पड्त । बाहर किछ किनके लेल सेहो परिवार सँ २ कोई मात्रे बाहर जाय पाओत।

यूएईः

- दुबई एयरपोर्टमे ३-४ घण्टा भितर परिणाम आबवला पिसिआर परीक्षण शुरु भेल छै।
- आबुधावीमे सिनोफार्म बुस्टर लगाब १०० सँ बेसी केन्द्रसभ संचालनमे आएल छै। सिनोफार्म बुस्टरके खोपके तेसर खोराक कहिक बुझल जाईत छै ।

www.facebook.com/shramik.sanjal सँ आँहा प्रत्येक रविदिन, बुधदिन आ शुक्रदिन साँझमे युएई समय UAE Time (8:00 PM), Qatar, KSA, Kuwait (7:00 PM) Malaysia (12 Midnight) मे हमरासभके प्रत्य देख सुन सकैत छी।

खिस्सा किनाराके

कोभिड प्रभावितके सारथी अनिल

कर्णालीमे कोभिडके संक्रमण बैढरहल छलै । सामाजिक संजालमे कोभिडके बारेमे आएल डर लागवला समाचार आ मृत्युके आँकडासँ लोकसभमे डर उत्पन्न करहल छलै । अई सँ आम नागरिक, कोभिड संक्रमित आ संक्रमितके नातागोतासभमे नकारात्मक प्रभाव पार सकत से बुझने सुर्खेतके नवयुवक अनिल ढकालके किछ कर परत जेना लागल । तेकर बाद हुनकर नेतृत्वमे सुर्खेतके नवयुवकसभ एकटा फेसबुक पेज खोललैथ "कोभिड जितरहल अछि कर्णाली" । वितल एक महिनासँ अई पृष्ठ सँ हरेक दिन स्वास्थ्यकर्मी, जनप्रतिनिधी ईति प्रत्यक्ष एनाई आ कोभिडके बारेमे सचेत बनाबैत सकारात्मक उर्जा भरवला काम कलरहल छैथ । ढकाल कोभिडके कारण मृत्यु भेल आदमीके शव व्यवस्थापनमे समस्या देखलाह । तै के लेल सामाजिक सञ्जालमे सहयोगके लेल आग्रह केलैथ आ २ कोई संक्रमितके विधीविधान पुर्वक दाहसंस्कार करमे सहयोग केलैथ ।

> राज्यके दायित्व एकटा आदमी निर्वाह करहल देखलाके बाद स्थानिय प्रशासन कोभिडके कारण मृत्यु होबवलाके शव व्यवस्थापने लेल सम्बन्धित निकायके जिम्मेबार बनेलक ।

ई समस्या सेहो समाधान भेलाके बाद ढकाल अक्सिजनके अभाव तथा कोभिड संकटमे प्रदेश सरकार जिम्मेवार बन पड्त कहिक स्थानीय नवयुवकसभके ललक मुख्यमन्त्री कार्यालय आगु धर्ना बैसलैथ । धर्नामे बैसलापर मुख्यमन्त्री हुनकासभसंगे बातचित केलैथ आ विकल्पसभ खोजलैथ । ढकाल तत्काल कर्णालीमे स्वयंसेवक समुह बनाक कोभिड विरुद्धके प्रतिकार्यमे लाग परत से कहलैथ । से कहलाके बाद तत्काले बैसल कर्णाली प्रदेश मन्त्रिपरिषद्के वैठकसँ कोभिड प्रतिकार्यके लेल स्वयंसेवक गठन करके निर्णय केलक । ढकालके नेतृत्वमे सुर्खेतमे अटो एम्वुलेन्सके शुरुवात भेलै । अखन ३ टा अटो कोभिडके संक्रमितके अस्पतालतक पहुचारहल छै । हुनके नेतृत्वमे अखन कर्णाली प्रदेश आयुर्वेद अस्पतालमे रहल आईसोलेशनमे रहल बिमारी आ बिमारी संगे रहवला आदमीके दिन आ रातीके खाना खुवारहल छै ।

ढकालके प्रयास एतबे मे नै रोकाएल छै । अखन ऊ निषेधाज्ञाके कारण बेसहारा बनल नागरिकसभके केना गन्तव्यमे पहुचाएल जासकैय कहिक काम करहल छैथ । तैके लेल सुर्खेत बस पार्कमे सहायता कक्ष शुरु भरहल छै । ढकाल कहैत छैथ, "आई दोसरके परल संकट काल्ही हमरो पर सकैय । हमसभ नवयुवकसभ सब बातमे राज्यके मुह देखक मात्रे नै हेतै । कते समस्यासभ त हमरासभके छोट प्रयास सँ मात्रे सेहो समाधान भळजाईत छै । तेकर बाद त राज्यके आबहे परतै"

भोइसेस आउट लाउड - हमर बात

हम वीरेन्द्रनगर कोभिड अस्पतालसँ सञ्चालन केने एम्बुलेन्स चलारहल छी । कते रोगीसभ त हम एम्बुलेन्स चलाईबतेकाल मैर गेलैथ । कहुना कहुना अस्पताल पहुचेलौ, अस्पतालमे कोई कोनो सहयोगे नै करत । हम अपने अधिकांश रोगीसभके लेल शैयाके व्यवस्था केने छी । कहियो काल त खाना खायके सेहो फुर्सद नै होईछै, एकटा रोगीके पहुचेलौ, दोसर लेब जाय पड़ैत छै । स्वास्थ्यकर्मी लगाएत आरो त सबके नजरमे परैत छै, लेकिन हमरासभके कोई मतलब नै करैय । पालिका सँ पठेलाके बाद कि केना छै कहिक पुछबो नै करैय । हमरे जेना एम्बुलेन्स चालकसभ अखन दिनराईत कोभिडके रोगीसभके लजारहल छै । हमसभ एकर कठिनाईमे करपरवला सेवाके रुपमे लैत छी ।

चन्द्र बहादुर थापा

कोभिडका विरामी बोक्ने एम्बुलेन्स चालक,
वीरेन्द्रनगर, सुर्खेत

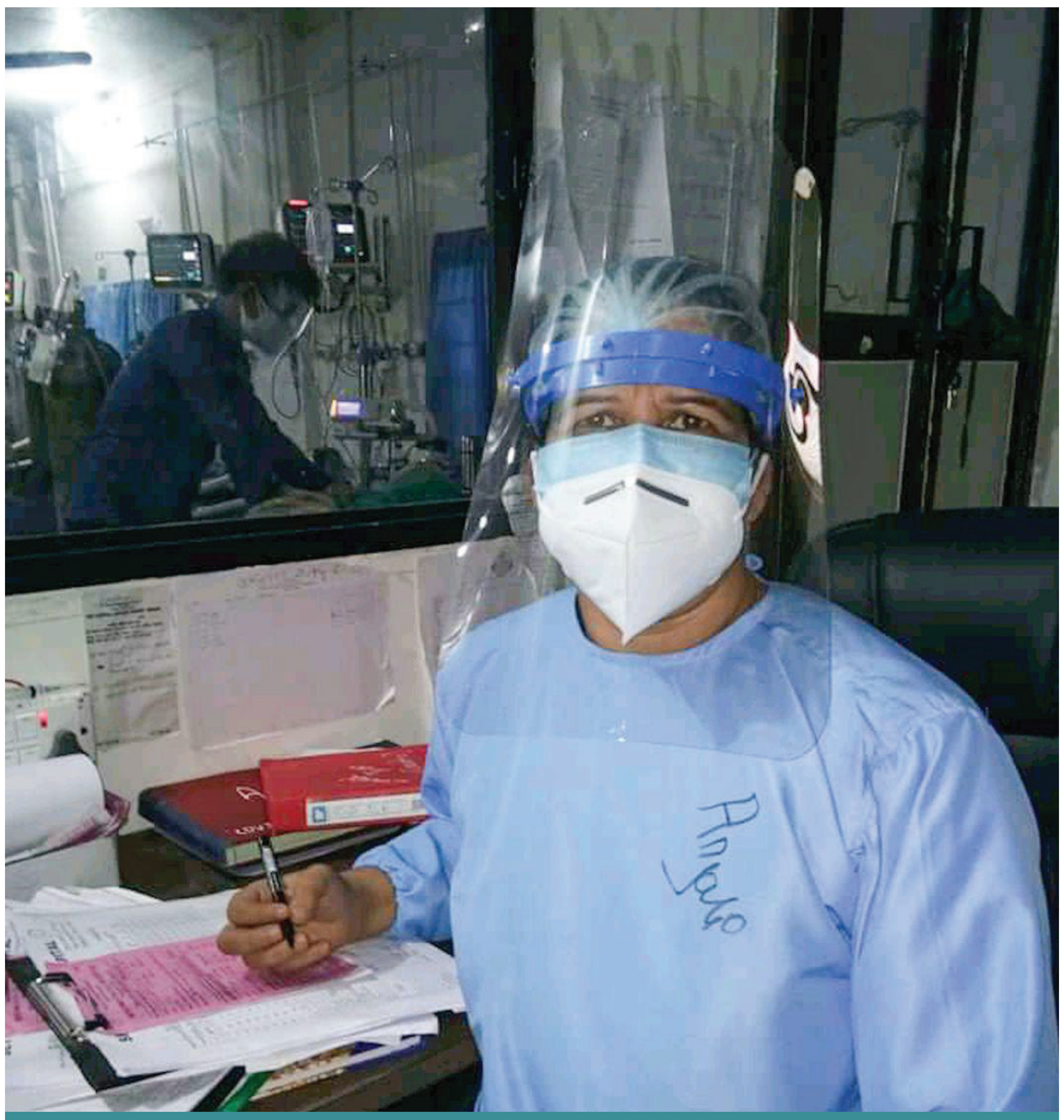

लक्ष्मी कुमारी उपाध्याय

नर्स, सेती प्रादेशिक अस्पताल,
कोभिड आइसियू वार्ड, कैलाली

कोभिड १९ के पहिल लहर एलापर सुरक्षाके सामान्य साधनसभ बिना काम करमे डर लागल छल । मृत्युदर कम भेला सँ धिरे धिरे डर सेहो कम होईत गेल छलै । बिमारीसभ सेहो नीक भलक खुशी होईत घर जाईत छलैथ । ओई समयमे अपना सेहो बहुते खुशी आ सन्तुष्टि भेटैत छल । लेकिन, अखनके दोसर लहरमे संक्रमण दर आ मृत्युदर एकदम उच्च छै । हमरासभलग अखन पर्याप्त मात्रामे अक्सिजनके उपलब्धता सेहो नै भेलाके कारण कोशिस केलाके बादो बिमारीसभके बचाब नै सकिरहल छी । बहुते दु:ख लगैय । लेकिन तैयो अपना सकल जते दिन राईत नै कहिक बिमारीसभके नीक बनाबमे लागिरहल छी ।

FAIR FACTS

is a product of:

CIVIC ACTION TEAMS

फेयर फ्याक्ट्स एकटा खुला अभियान छै, जै सँ नागरिक, नेतृत्वकर्ता आ बहुतोरास निकायके एक सुत्रमे जोडैत अछि । साथसाथे, अई सँ कोभिड - १९ सम्बन्धी गलत सूचना आ हल्लासँ निमन्त्रीत करवला समस्याके तथ्यपर आधारित जानकारीके माध्यमसँ समाधान करैत छै । कोरोना भाईरस सँ आमन्त्रीत अखनके अवस्थामे सेहो स्वास्थ्य सेवा, जीविकोपार्जन आ सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयमे जल्दी आ विश्वसनिय सूचनाके जरुरतके जोड् दैत छै । तै सँ सेहो हमसभ स्पष्ट तथ्यके माध्यम सँ परिवर्तनके संबाहक अभियन्ताके एकटा मजबुत संजाल बनाक महामारीके समयमे नै सुनल खिस्सा आ आवाजसभके शक्तिके निष्पक्ष आ न्यायोचित प्रतिकार्यमे उपयोग कर सहयोग करैत छी।

कोभिड - १९ मात्र स्वास्थ्यसँ सम्बन्धित संकटमात्र नै छै, अई सँ शासन प्रणालीके जवाफदेहिता आ निष्ठाके सेहो प्रभावित करैत छै । तै सँ कोरोना भाईरसके हराबके लेल हमसभ तथ्यके खोजी करैत छी, जरुरी जानकारी प्रसार करै छी आ अईके लेल बृहत संजाल बनाबैत छी ।

Brought to you by:

accountabilitylab communities

DISCLAIMER

अई अंकमे समेटलगेल हल्ला, सवाल तथा सूचनासभ, बहुतोरास संस्था तथा व्यक्ति, नेपाल सरकार स्वास्थ्य तथा जनसंख्या मन्त्रालय आ विश्व स्वास्थ्य संगठनके वेबसाईट, सामाजिक सञ्जाल, ७ टा प्रदेशमे रहल कम्युनिटी फ्रन्टलाईनर्स आ सिभिक एक्सन टिम विगत एक सप्ताहमे बहुतो आदमीसभसंगेके प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष संवादसँ संकलन कएलगेल छै । विषयके महत्व, सान्दर्भिकता आ तीव्रताके ध्यान दऽक हल्ला, सवाल तथा जिज्ञासासभ छनौट कएलगेल छै । अई अंकमे समेटलगेल जानकारी बुलेटिन प्रकाशित भेल मिति तक सत्य छै ।

REACH OUT TO US ON

@CivicActionTeams

@civacts

@CivActs

Civic Action Teams

/accountability_lab

Email: civactsnp@accountabilitylab.org

Phone: 9851203219